भारत - स्लोवाकिया संबंध

भारत और स्लोवाकिया संबंध मधुर तथा किसी द्विपक्षीय समस्या से मुक्त हैं। दोनों देश अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अच्छी तरह एक - दूसरे का सहयोग करते हैं तथा कुल मिलकार बहुपक्षीय संगठनों में एक - दूसरे की उम्मीदवारी का समर्थन करते रहे हैं। हाल के वर्षों में उल्लेखनीय उदाहरणों में यूएन लेखा परीक्षा बोर्ड में तथा संयुक्त राष्ट्र संयुक्त निरीक्षण यूनिट के लिए भारत की उम्मीदवारी के लिए समर्थन, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आई सी जे) के लिए न्यायमूति दलबीर भंडारी के चयन के लिए समर्थन, तथा बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र समिति के लिए स्लोवाकिया की उम्मीदवारी के लिए भारत का समर्थन शामिल है। स्लोवाकिया यू एन एस सी में भारत की स्थाई सदस्यता का समर्थन किया। स्लोवाकिया ने एन एस जी दिशानिर्देशों में छूट का भी समर्थन किया ताकि असैन्य परमाणु ऊर्जा में भारत के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग संभव हो सके। स्लोवाकिया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की अस्थाई सदस्यता, संयुक्त राष्ट्र की संयुक्त निरीक्षण यूनिट के लिए राजदूत गोपीनाथन की उम्मीदवारी, संयुक्त राष्ट्र लेखा परीक्षक बोर्ड में भारत के सी ए जी के चुनाव तथा 2013 से 2017 की अवधि के लिए यूनेस्को के कार्यपालक बोर्ड में भारत के पुन: चुनाव का समर्थन करता है। स्लोवाकिया ने 2014 से 2018 के कार्यकाल के लिए अमूर्त सांस्कृतिक सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए अंतर सरकारी समिति में हमारी उम्मीदवारी के अलावा 23 नवंबर से 2 दिसंबर 2015 तक लंदन में आयोजित चुनाव में 'बी' श्रेणी में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आई एम ओ) की परिषद में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आई सी जे) की खंडपीठ में पुन: चुनाव के लिए स्लोवाकिया के न्यायमूर्ति पीटर टोमका का समर्थन किया है। स्लोवाकिया ने 2015 से 2017 की अवधि के लिए मानवाधिकार परिषद में हमारे पुन: चुनाव का समर्थन किया है। स्लोवाकिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधारों पर भारत के दृष्टिकोण के लिए भी अपना समर्थन व्यक्त किया है।

राजनीतिक संबंध

महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संधियां एवं करार

- स्लोवाक विज्ञान अकादमी तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के बीच वैज्ञानिक सहयोग के लिए प्रोटोकॉल (1995)
- भारत - स्लोवाक जे बी सी के गठन के लिए करार (1995)
- रक्षा सहयोग के लिए एम ओ यू (1995)
- हवाई सेवा करार (1996)
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग पर एम ओ यू (1996)।
- भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी और स्लोवाक विज्ञान अकादमी के बीच वैज्ञानिक सहयोग के लिए करार (2001)
- आर्थिक सहयोग के लिए करार (2004)

- संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग कार्यक्रम (2004)
- द्विपक्षीय निवेश संरक्षण करार (2006)
- 2011-2013 की अवधि के लिए भारत गणराज्य के संस्कृति मंत्रालय और स्लोवाक गणराज्य के संस्कृति मंत्रालय के बीच सहयोग कार्यक्रम जिसे वर्ष 2013-2014 तक एक वर्ष के लिए।
- आर्थिक एवं वाणिज्यिक सहयोग करार के लिए प्रोटोकॉल (2013)
- आर्थिक एवं वाणिज्यिक सहयोग करार के लिए प्रोटोकॉल (2015)
- 12 अगस्त, 2015 को नई दिल्ली में भारतीय रेल तथा स्लोवाक रेल के बीच एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए (2015)

2012-2015 के दौरान भारत की ओर से स्लोवाकिया की यात्राएं :

16-22 सितंबर, 2012	राज्य सभा से संसद सदस्य तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री वीरेंद्र प्रसाद बैश्य ने कोसिके, स्लोवाकिया में तीसरी युवा (लड़के एवं लड़कियां) भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारतीय भारोत्तोलन टीम का नेतृत्व किया जिसमें 14 सदस्य शामिल थे।
29 से 30 अक्टूबर, 2012	द्विपक्षीय परामर्श के लिए विदेश राज्य मंत्री श्रीमती परनीत कौर
11 से 13 जुलाई, 2013	भारत - स्लोवाकिया संयुक्त आर्थिक समिति की 7वीं बैठक के सह अध्यक्ष के रूप में वाणिज्य राज्य मंत्री डा. डी पुरनदेश्वरी
2 से 5 नवंबर, 2013	मेघालय के माननीय मुख्य मंत्री डा. मुकुल संगमा

2012-2015 के दौरान स्लोवाकिया की ओर से भारत की यात्राएं :

1 से 19 अक्टूबर, 2012	स्लोवाकिया गणराज्य के पर्यावरण मंत्रालय के राज्य सचिव श्री जेन इवास्की ने हैदराबाद में आयोजित जैव विविधता पर अभिसमय के पक्षकारों के सम्मेलन की 11वीं बैठक में भाग लिया।
17 से 19 जून, 2013	उप प्रधानमंत्री और विदेश तथा यूरोपीय मामले मंत्री श्री मीरोस्लाव लेजकाक ने नई दिल्ली और मुंबई का दौरा किया।
11 से 12 नवंबर, 2013	उप प्रधानमंत्री और विदेश तथा यूरोपीय मामले मंत्री श्री मीरोस्लाव लेजकाक ने असेम विदेश मंत्री बैठक में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।
07 से 10 अक्टूबर, 2015	स्लोवाकिया के वित्त मंत्री श्री वाज़ीहुडक ने भारत का दौरा किया तथा रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु से मुलाकात की

द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़े (मिलियन में):-

	2015 (जनवरी - अक्टूबर)	2014	2013	2012	2011
भारत का निर्यात	229.3 यूरो	232.853 यूरो	200.853 यूरो	176.837 यूरो	206.890 यूरो
भारत का आयात	41.4 यूरो	30.708 यूरो	32.597 यूरो	55.43 यूरो	68.933 यूरो
द्विपक्षीय व्यापार :	270.7 यूरो	263.604 यूरो	233.450 यूरो	232.263 यूरो	275.823 यूरो

व्यापार संतुलन (X-I)	187.9 यूरो	202.188 यूरो	168.256 यूरो	121.41 यूरो	137.95 यूरो

कुल भारत - स्लोवाकिया द्विपक्षीय व्यापार स्लोवाकिया के वैश्विक बाजार के लगभग 0.20 प्रतिशत को दर्शाता है।

(सौजन्य से : स्लोवाकिया गणराज्य का सांख्यिकी कार्यालय)

स्लोवाकिया 1 जनवरी, 2009 से यूरो जोन में शामिल हुआ जनवरी 2009

वाणिज्यिक संबंध :

भारत - स्लोवाकिया व्यापार टोकरा :- 2009 से 2015 के दौरान भारत की ओर से स्लोवाकिया को जन वस्तुओं का निर्यात किया गया उनमें मुख्य रूप से टेक्सटाइल एवं कपड़े के साजा-सामान, फुटवियर, अजैविक रसायन, यार्न एवं संबंधित उत्पाद, प्लास्टिक एवं भेषज पदार्थ शामिल हैं। स्लोवाकिया से भारत जिन वस्तुओं का आयात करता है उनमें मुख्य रूप से लोहा एवं इस्पात के उत्पाद, सड़क वाहन, औद्योगिक मशीनरी एवं उनके पुर्जे, जैविक रसायन तथा भेषज उत्पाद (एंटी बायोटिक) आदि शामिल हैं। स्लोवाकिया की एक कंपनी ने टाटा ट्रक के लिए एक्सल की भी आपूर्ति की है जिनको भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बी ई एम एल) द्वारा असेंबल किया गया है। दोनों पक्षों की ओर से द्विपक्षीय व्यापार तथा विशेष रूप से भारत के निर्यात में 2011 तक उछाल आया था परंतु 2012 में यह मंदा पड़ गया। भारत के निर्यात ने पुनरूत्थान का प्रदर्शन किया है तथा वर्ष 2014 के दौरान 15.2 प्रतिशत की वृद्धि और 2014 में 11.0 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की है।

निवेश : स्लोवाकिया ने भारी संख्या में विदेश कंपनियों से, विशेष रूप से यू एस (यूएस स्टील), जर्मनी (वॉक्सवेगन), फ्रांस (प्यूगॉट, साइट्रोन), कोरिया गणराज्य (कीया मोटर्स एवं सैमसंग इलेक्ट्रानिक्स), जापान एवं चीन से विदेशी निवेश आकृष्ट किया है। इसके 80 प्रतिशत से अधिक उद्योग का निजीकरण पहले ही हो चुका है। तथापि, स्लोवाकिया में कोई उल्लेखनीय भारतीय निवेश नहीं है तथा भारत में भी स्लोवाकिया की ओर से कोई उल्लेखनीय निवेश नहीं किया गया है। अतीत में, भारतीय कंपनियों ने आटो असेसरीज, टायर विनिर्माण तथा स्पा एवं स्वस्थता क्षेत्रों में स्लोवाकिया में निवेश के अवसरों का पता लगाया है, परंतु अभी तक कुछ भी ठोस आकार नहीं दिया गया है। हालांकि स्लोवाकिया को अच्छी भौतिक अवसंरचना, महत्वपूर्ण भौगोलिक लोकेशन तथा कुशल श्रमबल का लाभ प्राप्त है तथा यह यूरो जोन का सदस्य भी है, परंतु हंगरी एवं पोलैंड जैसे इसके पड़ोसी देश बड़े घरेलू बाजार एवं कम लागत प्रदान करते हैं तथा भारतीय निवेशकों के लिए थोड़ा अधिक आकर्षक साबित हुए हैं। 2012 में, सरकार के साथ सामरिक साझेदारी में अथवा पट्टा के अधीन क्षेत्रीय कार्गो हब के रूप में ब्राटिस्लाव एयरपोर्ट का विकास करने में संभावित निवेश के लिए सहारा ग्रुप से संपर्क किया गया। परंतु मामला आगे नहीं बढ़ पाया है। अपोलो टायर्स, जिसने स्लोवाकिया में एक

उत्पादन सुविधा विकसित करने के लिए रूचि व्यक्त की थी, हंगरी चला गया। स्लोवाकिया सरकार तथा ब्रिटिश कार निर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जे एल आर) के प्रतिनिधियों ने दिसंबर, 2015 में निवेश करार पर हस्ताक्षर किए। जे एल आर, जिसका मालिक भारतीय टाटा ग्रुप है, 1 बिलियन यूरो के निवेश में पश्चिमी स्लोवाकिया में निट्रा के निकट एक नए प्लांट का निर्माण करेगा। स्लोवाकिया सरकार 130 मिलियन के निवेश प्रोत्साहन के माध्यम से इसकी मदद करेगी। अनुमान है कि 2018 के उत्तरार्ध में पहली कार उत्पादन लाइन से बाहर आएगी। शुरू में कारखाने की क्षमता 150,000 वाहन होगी जिसके आने वाले वर्षों में बढ़कर 300,000 पर पहुंच जाने की संभावना है। प्लांट का निर्माण 2016 में आरंभ होगा।

स्लोवाकिया की रेल फ्रेट कार और बोगी निर्माता कंपनी टाट्रावैगोंका ए एस ने कोलकाता आधारित जुपिटर ग्रुप में 52 प्रतिशत शेयर खरीदकर भारत में कदम रखा है। स्लोवाकिया की यह कंपनी 100 करोड़ रुपए के निवेश से जुपिटर ग्रुप की कंपनियों - जुपिटर वैगन तथा जुपिटर एलॉय एंड स्टील इंडिया में 26 - 26 प्रतिशत शेयर खरीद रही है। इसने भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रेल बाजार के लिए एयर ब्रेक सिस्टम बनाने के लिए अपने भारतीय साझेदार के साथ एक 50:50 संयुक्त उद्यम करार किया है। कम कॉरपोरेट कर तथा सस्ता कार्य बल इस कदम के कारण के रूप में प्रतीत होता है। तथापि, चुनिंदा क्षेत्रों में विशेष रूप से भेषज पदार्थ में - जहां हाल के कानून से जेनरिक्स के लिए बाजार का काफी विस्तार हुआ है - और आटो एसेसरीज में भारत के लिए अवसर हैं। 2014 में फ्रांस एवं जर्मनी की कंपनियों का एक साथ मिलकर स्लोवाकिया में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, विशेष रूप से ऊर्जा, आटोमोटिव, दूरसंचार तथा सेवाओं के क्षेत्र में 50 प्रतिशत से अधिक था।

संयुक्त समिति : 1993 में स्लोवाकिया के साथ हस्ताक्षरित व्यापार करार के तहत, मई, 1994 में आर्थिक एवं वाणिज्यिक सहयोग के लिए भारत - स्लोवाकिया संयुक्त समिति (आई एस जे ई सी) का गठन किया गया। अब तक इसकी 7 बैठकें हुई हैं। भारत - स्लोवाकिया संयुक्त आर्थिक समिति की 8वीं बैठक 25 फरवरी, 2015 को नई दिल्ली में हुई। बैठक के दौरान, विशेष रूप से आटो, ऊर्जा एवं पर्यटन के क्षेत्रों में द्विपक्षीय आर्थिक एवं कारोबारी सहयोग का और विकास करने पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान आर्थिक सहयोग के लिए एक प्रोटोकॉल पर भी हस्ताक्षर किए गए। सोसायटी ऑफ इंडियन आटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स (एस आई ए एम) और आटोमोटिव कंपोनेंट मैनुफैक्चर एसोसिएशन (ए सी एम ए) आफ इंडिया द्वारा समर्थित एक आई सी आर ए मैनेजमेंट कंसल्टिंग सर्विसेज लिमिटेड (आई एम ए सी एस) की दो सदस्यीय टीम ने अक्टूबर, 2013 में जे ई सी के अनुवर्तन के रूप में ब्राटिस्लावा का दौरा किया।

भारत - स्लोवाकिया संयुक्त व्यवसाय परिषद : 29 मार्च, 1995 को भारत - स्लोवाकिया संयुक्त व्यवसाय परिषद के गठन के लिए करार पर हस्ताक्षर स्लोवाक चैंबर ऑफ कामर्स एवं इंडस्ट्री तथा फिक्की / एसोचैम के बीच किया गया। ब्राटिस्लावा और दिल्ली में जे बी सी की अब तक 5 बैठकें हो चुकी हैं तथा पिछली बैठक अप्रैल, 04 में दिल्ली में हुई थी। सी आई आई ने अक्टूबर, 2005 में ब्राटिस्लावा में एक 'इंटरप्राइज इंडिया' व्यापार प्रदर्शनी का आयोजन किया था जिसमें 35 भारतीय कंपनियों ने भाग लिया। फार्मास्यूटिकल निर्यात संवर्धन परिषद से एक पांच सदस्यीय शिष्टमंडल ने 2006 में स्लोवाकिया का दौरा किया। हाल के वर्षों में जे बी सी तंत्र बहुत सक्रिय नहीं रहा है।

भारत में यूरोपीय संघ के वाणिज्य चैंबर की परिषद के अध्यक्ष कैप्टन अवीनाश बत्रा के नेतृत्व में एक 11 सदस्यीय करोबारी शिष्टमंडल ने 28 से 30 मई 2015 तक ब्राटिस्लाव का दौरा किया। उन्होंने व्यापार / आर्थिक मंत्रालयों तथा स्लोवाक निवेश एवं व्यापार विकास एजेंसी (एस ए आर आई ओ), स्लोवाक वाणिज्य चैंबर के अधिकारियों के साथ बैठकें तथा व्यवसाय दर व्यवसाय बैठकें की। 29 मई 2015 को ब्राटिस्लाव में एस ए आर आई ओ तथा यूरोपी संघ के वाणिज्य चैंबर की परिषद द्वारा एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए एम ओ यू पर हस्ताक्षर 1996 में किया गया। इसके तहत संयुकत अनुसंधान परियोजनाओं में सहयोग, विशेषज्ञों / वैज्ञानिकों के आदान - प्रदान, द्विपक्षीय कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि के आयोजन की बात कही गई है। तथापित इस करार के तहत वास्तविक वैज्ञानिक आदान - प्रदान सीमित हैं।

सांस्कृतिक आदान - प्रदान : 2005-06 से, स्लोवाकिया को आई टी ई सी के तहत हर साल 10 स्लॉट की पेशकश की जाती है। हाल के वर्षों में बेहतर उपयोग की वजह से स्लोवाकिया को 2014-15 के लिए 12 के स्थान पर 15 आई टी ई सी स्लॉटों की पेशकश की गई है।

2011-13 के लिए द्विपक्षीय सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम (सी ई पी) पर 2011 में हस्ताक्षर किया गया जिसे एक और वर्ष के लिए या नए सी ई पी हस्ताक्षर होने तक के लिए बढ़ाया गया है। दोनों देशों के संस्कृति मंत्रालय के बीच नये सहयोग कार्यक्रम (पी ओ सी) पर अभी तक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं।

आई सी सी आर के पास बजटीय तंगी की वजह से तथा स्लोवाकिया में निधियन का अन्य स्रोत उपलब्ध न होने के कारण, दोनों देशों के बीच संगीत एवं नृत्य मंडलियों का आदान -

प्रदान शायद ही होता है। तथापि, स्लोवाकिया में एक छोटा समुदाय ऐसा है जो भारतीय संगीत का प्रेमी है, जिसने स्थानीय संगठनों द्वारा टिकट के आधार पर शास्त्रीय संगीत के भारतीय परफार्मर की कभी - कभार यात्राओं को संभव बनाया है। मिशन पिछले कुछ महीनों से योग को और बढ़ावा देने के काम में लगा हुआ है तथा स्लोवाक गणराज्य के 18 शहरों में 21 जून 2015 को इसने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया।
कथक नृत्यांगना शोभना नारायण ने 21 मई 2015 को ब्राटिस्लाव में प्राइमेट पैलेस के मिरर हाल में अपनी नवाचारी शैली के नृत्य का प्रदर्शन किया।

भारतीय समुदाय :

एक अनुमान के अनुसार स्लोवाकिया में एन आर आई / पी आई ओ की संख्या 200 के आसपास है। अधिकांश पी आई ओ (कुल 50 - 75 के आसपास) एथनिक ग्रोसरी, गारमेंट एवं टेक्सटाइल, हैंडिक्राफ्ट एवं रेस्टोरेंट जैसे छोटे-मोटे कारोबार करते हैं। दूसरी ओर एन आर आई को दो समूहो में बांटा जा सकता है : पहले समूह में 40-50 तकनीकी दृष्टि से अर्हक आई टी एवं अन्य पेशेवर आते हैं जो 1-2 साल के अल्पावधिक आवंटन पर हैं, तथा दूसरा समूह थोड़ा बड़ा है जो कुक एवं वेटर, आयुर्वेदिक एवं अन्य स्पा में अंगमर्दक / अंगमर्दिका के रूप में काम करते हैं। भारतीय दूतावास उनके साथ संपर्क बनाए रखता है तथा स्वतंत्रता दिवस / गणतंत्र दिवस समारोह एवं अन्य अवसरों के साथ उनको जोड़ता है। स्लोवाकिया में भारतीय का कोई संघ नहीं है।

ऐसा माना जाता है कि स्लोवाकिया में गैर कानूनी ढंग से प्रवेश करने के कारण कुछ भारतीय नागरिक स्लोवाक प्राधिकारियों की अभिरक्षा / संरक्षण में हैं। कुछ शरण मांग रहे हैं तथा शेष को उत्प्रवास आश्रयों मकी अस्पष्ट दुनिया में और/या न्यून स्तर के रोजगार में पकड़ा गया। स्लोवाकिया के प्राधिकारियों के माध्यम से या दूसरे तरीकों से जब दूतावास की जानकारी में कुछ मामले आते हैं, तो कांसुलर सहायता की स्थापित प्रक्रियाओं का अनुसरण किया जाता है जिसमें आपातकालीन प्रमाण पत्र पर भारतीय नागरिकों का भारत को प्रत्यर्पण शामिल है।

उपयोगी संसाधन :

- भारतीय दूतावास, ब्राटिस्लावा की वेबसाइट : www.indianembassy.sk
- भारतीय दूतावास, ब्राटिस्लावा का फेसबुक पृष्ठ: https://www.facebook.com/pages/India-in-Slovakia/193785564101966
- भारतीय दूतावास, ब्राटिस्लावा ट्वीटर अकाउंट: eindia.com@stonline.sk

***

जनवरी, 2016